अध्याय I

संगठन का विवरण,कार्य और दायित्व

संगठन का विवरण

सामान्य परिचय

1. इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन), का निगमन रेलवे से प्राप्त विशेषज्ञता की सहायता से वाणिज्यिक विवेक की तर्ज पर भारत में तथा विदेश में रेल परियोजनाओं के निर्माण कार्य के मुख्य प्रयोजन से "भारतीय रेलवे निर्माण कंपनी लिमिटेड" के नाम के तहत 28 अप्रैल, 1976 को किया गया था। अंतरराष्ट्रीय छवि तथा कंपनी के प्रचालन के कार्यक्षेत्र की तर्ज पर दिनांक 17 अक्तूबर, 1995 को कंपनी का नाम बदल कर "इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड" कर दिया गया था। इरकॉन दिनांक 28 सितंबर 2018 से एक सूचीबद्ध कंपनी है।

2. इरकॉन भारत सरकार द्वारा धारित 89.18 प्रतिशत की प्रदत्त शेयर पूंजी सहित रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में निर्माण क्षेत्र की अनुसूची-"क' मिनी रत्न श्रेणी-I सरकारी कंपनी है। यह संगठन के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली हेतु एक आईएसओ प्रमाणित कंपनी है (वर्ष 1996 से) तथा वर्ष 2011 से पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली और व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (वर्ष 2012-13 के दौरान प्रमाणित) के लिए आईएसओ प्रमाणित कंपनी है। कंपनी ने अब व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के नए मानकों यथा आईएसओ 45001:2018 को अपना लिया है।

3. कंपनी एकीकृत भारतीय इंजीनियरिंग एवं निर्माण कंपनी है, जिसे रेलवे, राजमार्गों, पुलों, फ्लाइओवरों, सुरंगों, विमान अनुरक्षण हैंगरों, रनवे, ईएचवी उप-स्टेशनों, इलैक्ट्रिकल एवं यांत्रिकी कार्यों, वाणिज्यिक एवं आवासीय परिसंपत्तियों, औद्योगिक क्षेत्रों के विकास, तथा अन्य अवसंरचनात्मक गतिविधियों सहित प्रमुख अवसंरचनात्मक परियोजनाओं में विशेषज्ञता प्राप्त है। हम विभिन्न अवसंरचनात्मक परियोजनाओं के लिए नियत राशि टर्नकी आधार पर और मद दर आधार पर ईपीसी सेवाएं प्रदान करते हैं। इरकॉन भावी आमदनियों को बनाए रखने के लिए कंपनी की वित्तीय क्षमता का लाभ प्राप्त करके निर्माण-प्रचालन-अंतरण (बीओटी)/ हाइब्रिड एन्युटी मोड (एचएएम) आधार और लागत जमा आधार पर परियोजनाओं को भी निष्पादित करता है। इरकॉन का मुख्यालय साकेत, नई दिल्ली में है और इसके व्यवसाय के प्रचालन और प्रबंधन के लिए पूरे भारत में अड़तालीस (38) परियोजना कार्यालय और चार (4) क्षेत्रीय कार्यालय हैं तथा श्रीलंका, बांग्लादेश, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका और अल्जीरिया में पांच (5) विदेशी परियोजना कार्यालयों हैं, जो विदेश में बाहरी सहायता उपलब्ध कराते हैं।

प्रचालनिक विशेषता

कंपनी ने 1977-78 में अपना प्रचालन आरंभ किया और इराक एवं तत्पश्चात अल्जीरिया में प्रमुख उपलब्धि के साथ व्यापक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रवेश किया। अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन करते हुए परियोजनाओं के समय पर निष्पादन के परिणामस्वरूप इरकॉन को भारत में अग्रणी निर्माण कंपनियों में से एक के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त हुई। विशिष्ट रूप से रेलवे क्षेत्र में अपना प्रचालन आरंभ करने के पश्चात कंपनी ने वर्ष 1985 में निर्माण के अन्य क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों में विविधता प्राप्त की है। बीओटी, बीओओटी, बीएलटी आदि, पट्टा, रियल इस्टेट आदि संबंधी व्यवसाय को शामिल करने के लिए वर्ष 1993 में कंपनी के कार्यक्षेत्र को और संवर्धित किया गया।

इरकॉन की प्रमुख सक्षमता रेलवे, राजमार्ग तथा ईएचटी उप-स्टेशन इंजीनियरिंग और निर्माण क्षेत्र में है। कंपनी ने गिट्टीरहित रेलपथ, विद्युतीकरण, सुरंग निर्माण, सिग्नल और दूरसंचार सहित रेल निर्माण के क्षेत्रों में तथा इंजनों को पट्टे पर देने, सड़क, राजमार्ग निर्माण, वाणिज्यिक, औद्योगिक तथा आवासीय भवनों तथा परिसरों, हवाईअड्डा रनवे तथा हैंगरों, मेट्रो तथा मास रेपिड ट्रांजिट सिस्टम आदि क्षेत्रों में प्रचालित परियोजनाओं का निष्पादन किया है।

अबतक, इरकॉन ने विश्वभर के 25 देशों में 128 से अधिक परियोजनाओं और भारत में 390 से अधिक परियोजनाओं को पूरा किया है। यूएसए के इंजीनियरिंग न्यू रिकॉर्ड (ईएनआर) के 2020 संस्करण के अनुसार, इरकॉन शीर्ष 250 अंतर्राष्ट्रीय संविदाकारों की सूची में स्थान प्राप्त करने वाला एकमात्र भारतीय सार्वजनिक उपक्रम है।

अंतरराष्ट्रीय परियोजनाएं :

निम्नलिखित तीन अंतरराष्ट्रीय परियोजनाएं प्रगतिरत हैं:

(क) **बांग्लादेश** - बांग्लादेश रेलवे के लिए खुलना-मोंगला पोर्ट रेल लाइन - इम्बार्कमेंट, रेलपथ का निर्माण, सभी सिविल कार्य, प्रमुख और गौंण पुल (रूपशा पुल को छोड़कर) तथा पुलिया के निर्माण और डब्ल्यूडीआई के प्रति ईएमपी का क्रियान्वयन कार्य।

(ख) **अल्जीरिया** - एएनईएसआरआईसी, परिवहन मंत्रालय, अल्जीरिया सरकार - अल्जीरिया में दोहरी लाइन (93 किमी) का निर्माण कार्य।

(ग) **श्रीलंका** - श्रीलंका सरकार के क्रेडिट ऑफ इंडियन लाइन के तहत महो से ओमानथाई परियोजना तक रेलवे लाइन का उन्नयन - रेलपथ जीर्णोद्धार और सहायक कार्य।

<u>घरेलू परियोजनाएं:</u>

वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान इरकॉन ने भारत में निम्नलिखित तीन परियोजनाओं को पूरा किया है:

(क) रेल मंत्रालय के लिए 2,605 करोड़ रूपए के मूल्य पर रायबरेली में नए रेल डिब्बा कारखाने की स्थापना।

(ख) रेल मंत्रालय, बिहार सरकार के लिए 671 करोड़ रूपए के मूल्य पर बिहार राज्य में सड़क उपरिपुल (आरओबी) का निर्माण।

(ग) रेल मंत्रालय, राजस्थान सरकार के लिए 649 करोड़ रूपए के मूल्य पर राजस्थान राज्य में आरओबी का निर्माण।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, इरकॉन 99 वर्षों के पट्टे पर वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे, बांद्रा ईस्ट, मुंबई में 4.3-हेक्टेयर रेलवे भूमि का वाणिज्यिक विकास कार्य कर रहा है। इसके लिए, इरकॉन ने दिनांक 26 मार्च 2018 को रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) के साथ उक्त भूमि पार्सल पर वाणिज्यिक विकास के लिए इरकॉन को पट्टा धारण अधिकारों के हस्तांतरण हेतु एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया है। अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए, इरकॉन आरएलडीए से अपफ्रंट लीज प्रीमियम के कुल 3% के समान राशि का शुल्क प्राप्त करने का पात्र है, जिसके लिए इरकॉन, आरडीएडीए और भारतीय रेलवे वित्त निगम लिमिटेड (आईआरएफसी) के बीच एक त्रिपक्षीय ऋण समझौता किया गया था।

भारत में प्रमुख चालू परियोजनाएं:

क्र.सं	वर्ग	परियोजना का नाम	संशोधित संविदा मूल्य (रू. करोड़ में)
1.	रेलवे	उत्तर रेलवे के लिए कटरा-काजीगुंड खंड (इरकॉन का भाग), उधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल संपर्क परियोजना	13,359
2.	रेलवे	छत्तीसगढ़ पूर्व-पश्चिम रेलवे लिमिटेड (सीईडब्ल्यूआरएल) के लिए गेवरा रोड से पेंडरा रोड के बीच लगभग 135 किमी के ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के कॉरिडोर-III का निर्माण, गेवरा रोड से पेंड्रा रोड के बीच ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर का व्यवहार्यता अध्ययन।	3198
3.	रेलवे	नॉर्थ फ्रंटियर रेलवे के लिए सिवोक-रंगपो नई रेल लाइन परियोजना।	4,085
4.	रेलवे	छत्तीसगढ़ राज्य में छत्तीसगढ़ पूर्व रेलवे लिमिटेड (सीईआरएल) के लिए खरसिया से धरमजयगढ़ के बीच ईस्ट कॉरिडोर के कॉरिडोर-I और स्पर लाइन का निर्माण। सीईआरएल (सीईआरएली-II) के लिए धरमजयगढ़ से कोरबा (उरगा) के बीच नई बीजी विद्युतीकृत रेल लाइन का निर्माण।	1,855 1138
5.	रेलवे	बस्तर रेलवे प्राइवेट लिमिटेड (बीआरपील) द्वारा चिह्नित रेल संपर्क परियोजनाओं का निष्पादन।	1,466
6.	रेलवे	डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के लिए समर्पित, फ्रेट कॉरीडोर परियोजना, सीटीपी-12 के वैतरणी-सचिन खंड के सिविल, निर्माण और रेलपथ कार्यों का अभिकल्प और निर्माण कार्य।	2171
7.	सड़क	इरकॉन वडोदरा किम एक्सप्रेस-वे लिमिटेड (इरकॉन वीकेईएल) के लिए हाइब्रिड एन्युविटी मोड (चरण ।क-पैकेज-।।) पर एनएचडीपी चरण- VI के तहत गुजरात राज्य में एनएचपीडी चरण-6 के तहत 323.00 किमी से 355.00 किलोमीटर (वडोदरा मुंबई एक्सप्रेसवे के सनपा से पेंडरा खंड) तक आठ लेन वाले वडोदरा किम एक्सप्रेस-वे का निर्माण।	1543
8.	रेलवे	पश्चिम मध्य रेलवे के लिए कटनी ग्रेड सेपरेटर / बाईपास लाइन (21.50 किलोमीटर) परियोजना।	1248
9.	रेलवे	महानदी कोल रेलवे लिमिटेड (एमसीआरएल) के लिए विभिन्न चिह्नित रेल कोयला सम्पर्कता परियोजना (परियोजनाओं) का सर्वेक्षण, व्यवहार्यता अध्ययन, विस्तृत डिजाइन और निर्माण कार्य।	1192
10.	रेलवे	झारखंड सेंट्रल रेलवे लिमिटेड (जेजीआरएल) के लिए विभिन्न चिह्नित रेल कोयला सम्पर्कता परियोजना (परियोजनाओं) का सर्वेक्षण, व्यवहार्यता अध्ययन, विस्तृत डिज़ाइन और निर्माण कार्य।	1149
11.	सड़कें	भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के लिए एनएचडीपी चरण-V - ईपीसी लागत के अंतर्गत डीबीओटी वार्षिकी पर हाइब्रिड वार्षिकी परियोजना पर इरकॉन देवांगेरे-हवेरी राजमार्ग लिमिटेड (इरकॉन डीएचएचएल) के लिए कर्नाटक राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 के देवांगेरे हवेरी (किमी 260 + 000 से किलोमीटर 338 + 923) तक छह लेन का निर्माण कार्य	1027

12.	रेलवे	मध्य पूर्व रेलवे के लिए भारत-नेपाल सीमा पर बरदीबास तक विस्तार सहित जयनगर (भारत) -बीजलपुरा (नेपाल) के बीच रेल संपर्क का निर्माण (आमान परिवर्तन)।	819
13.	रेलवे	(i) मध्य पूर्व रेलवे के लिए दोहरीकरण परियोजनाएँ: (क) हाजीपुर - बछवाड़ा (ख) किउल - गया (ग) आरडीयूएम-टीएएल-आरजेओ (रामपुर दुमरा - लाल - राजेंद्रपाल गंगा पुल सहित दोहरीकरण) (ii) कटनी में पश्चिम मध्य रेलवे के लिए दोहरीकरण परियोजनाएँ - सिंगरौली दोहरीकरण परियोजना	679 (हाजीपुर-बछवाड़ा); 1200 किउल गया; 1491 (आरडीयूएमटीएएल-आरजेओ); 1763 (कटनी-सिंगरौली)
14.	सड़कें	ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार और झारखंड राज्य सरकार के लिए झारखंड के 5 जिलों में ग्रामीण सड़कों और पुलों का निर्माण/उन्नयन - पीएमजीएसवाई परियोजनाएँ।	607
15.	रेलवे	उत्तर फ्रंटियर रेलवे के लिए अखौरा - अगरतला रेल संपर्क परियोजना (भारतीय भाग का निर्माण)	570
16.	विद्युतीय	पूर्वोत्तर रेलवे के लिए सिग्नलिंग सहित मथुरा-कासगंज-कल्याणपुर रेलवे विद्युतीकरण परियोजना।	433
17.	विद्युतीय	जम्मू-कश्मीर ऊर्जा विकास विभाग के लिए जम्मू प्रांत (क्लस्टर-I, जम्मू लैफ्ट), (क्लस्टर-II, जम्मू राइट), और (क्लस्टर-IV) (अखनूर, राजौरी, पुंछ, उधमपुर, डोडा, किश्तवार और भद्रवाह) के अंतर्गत आरएपीडीआरपी-भाग ख परियोजना।	420
18.	रेलवे	दक्षिण पूर्व रेलवे के लिए, कोना एक्सप्रेसवे हेतु संतरागाछी में परिसंचरण क्षेत्र का विकास और आवश्यक यात्री सुविधाओं और सड़क संपर्कता का विकास।	380
19.	रेलवे	उत्तर फ्रंटियर रेलवे के लिए विराटनगर (नेपाल) से जोगबनी (बिहार) भारत के बीच रेल संपर्क का निर्माण।	370
20.	रेलवे	दक्षिण पूर्व रेलवे के लिए आवश्यक यात्री सुविधाओं के प्रावधान द्वारा शालीमार में कोचिंग टर्मिनल का विकास।	341
21.	रेलवे	एनएमडीसी लिमिटेड के लिए जगदलपुर, छत्तीसगढ़ के पास नगरनार में प्रस्तावित 3.0 एमटीपीए एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए रेलवे साइडिंग का निर्माण: क) पैकेज-I - सिविल और रेलवे संबद्ध कार्यों का निष्पादन ख) पैकेज-II - सिविल, सिग्नलिंग और दूरसंचार, यांत्रिकी और संरचनात्मक कार्यों का निष्पादन ग) पैकेज-IV - नए ब्लॉक स्टेशन का निर्माण, स्टाफ क्वार्टर और संबंधित पी-वे, ओएचई और सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य।	283 (पैकेज-I), 79 (पैकेज- II) और 84 (पैकेज-IV)
22.	विद्युतीय	पश्चिम मध्य रेलवे के लिए कटनी-सिंगरौली के लिए रेलवे विद्युतीकरण कार्य।	282
23.	स्टेशन भवन	आरएलडीए और रेल मंत्रालय के लिए सफदरजंग रेलवे स्टेशन का पुन:विकास।	262
24.	संस्थागत भवन	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी), मिजोरम में बाहरी विकास कार्यों के डिजाइन, आरेखण और निर्माण कार्य।	162

25.	रेलवे	दौंड (मध्य रेलवे के लिए) और बोंडामुंडा (दक्षिण पूर्व रेलवे के लिए) में 200 तीन चरण इंजनों की व्यवस्था हेतु दो इलेक्ट्रिक लोको शेड की स्थापना।	95 (दौंड) 204 (बंडागुंडा)
26.	रेलवे	विशाखापत्तनम (डीज़ल लोको शेड) - ईस्ट कोस्ट रेलवे के लिए 100 एचएचपी लोकोमोटिव हेतु शेड का विस्थापन।	92
27.	रेलवे	एनएमडीसी लिमिटेड नगरनार में 3.0 एमटीपीए एकीकृत इस्पात के लिए के लिए रेलवे ट्रैक्स (इन-प्लांट) पैकेज (पैकेज नंबर 50)।	53
28.	रेलवे	डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के लिए वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉन्ट्रैक्ट पैकेज सीटीपी-11जेएनपीटी - वैतरणी खंड (इरकॉनका भाग 60%) का सिविल, निर्माण और रेलपथ कार्य।	43
29.	रेलवे	एनटीपीसी लिमिटेड के लिए दरलीपली सुपर थर्मल पावर परियोजना, चरण- I (2x800 मे.वा) के लिए महानदी कोल लिमिटेड की साइडिंग से दौलांगा खान-दरलीपली एसटीपीपी के एमजीआर प्रणाली को जोड़ने के लिए डीपीआर और विस्तृत इंजीनियरिंग, परियोजना प्रबंधन और रेलवे साइडिंग का निर्माण कार्य ।	36
30.	रेलवे	नबीनगर पावर जनरेशन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के लिए सुपर थर्मल पावर परियोजना (3x660 मेगावाट) के लिए डीपीआर और विस्तृत इंजीनियरिंग, परियोजना प्रबंधन और कोयला परिवहन प्रणाली का निर्माण कार्य।	16

कॉर्पोरेट योजना के संदर्भ में, इरकॉन ने रियल एस्टेट क्षेत्र की अत्यधिक संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, चयनित विविधीकरण के लिए इस क्षेत्र की पहचान की है। नोएडा और गुड़गांव में स्थित कंपनी की संपत्तियों और देशभर में वितरित कंपनी की अन्य अचल संपत्तियों को देखते हुए, कंपनी ने कंपनी के रियल एस्टेट व्यवसाय की व्यवस्था के लिए एक अलग सम्पदा प्रबंधन विभाग की स्थापना की है।

भारत में भावी परियोजनाएं:

निकट भविष्य में, इरकॉन रेलवे, राजमार्ग और सुरंग आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण घरेलू परियोजनाएँ आरंभ करने के लिए तत्पर है। इनमें प्रतिस्पर्धी बोली आधार पर बीओटी, ईपीसी और एचएएम आधार पर विभिन्न राजमार्ग परियोजनाएँ, परामर्श कार्य, सुरंग परियोजनाएँ और रेलवे कार्य शामिल हैं।

वित्तीय विशिष्टताएं

वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, इरकॉन ने 5,442 करोड़ रुपये की अबतक की सर्वाधिक कुल आय अर्जित और स्टेंडएलोन आधार पर प्रचालनिक आय 5,202 करोड़ रुपये है।

वर्ष 2018-19 की तुलना में वर्ष 2019-20 के लिए कंपनी के वित्तीय निष्पादन के कुछ महत्वपूर्ण संकेतक नीचे दिए गए हैं:

क्र. सं.	विवरण	2019-20 (रु.करोड़ में)	2018-19 (रु.करोड़ में)	वृद्धि/ (कमी) [% में]
1.	कुल आय/टर्नओवर	5,442	4,680	16%
2.	कुल प्रचालनिक आय /टर्नओवर	5,202	4,415	18%
3.	विदेशी परियोजनाओं से प्रचालनिक आय	443	586	(24)%
4.	भारतीय परियोजनाओं से प्रचालनिक आय	4,759	3,829	24%
5.	कर पूर्व लाभ	673	615	9%
6.	कर पश्चात लाभ	490	445	10%
7.	कुल मूल्य	4,161	3,950	5%
8.	लाभांश (अंतिम और अंतरिम)	223.38	202.63	10.24%

कोविड-19 का प्रभाव

कोविड-19 वैश्विक महामारी के दृष्टिगत और इसके परिणामस्वरूप दिनांक 24 मार्च, 2020 से भारत सरकार द्वारा घोषित राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण, समग्र भारतीय अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और इसलिए, यह प्रभाव कंपनी के प्रचालन पर भी पड़ा है। कोविड-19 के प्रकोप के कारण, कंपनी ने केंद्रीय और राज्य सरकारों द्वारा जारी लॉकडाउन अनुदेशों के अनुपालन में सभी चालू परियोजनाओं में अस्थायी रूप से प्रचालनों को निलंबित कर दिया है। इन राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन प्रतिबंधों के कारण लॉकडाउन अवधि के दौरान परियोजना के निष्पादन, आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान और कर्मियों की अनुपलब्धता के कारण कंपनी के सामान्य प्रचालन पर प्रभावित पड़ा था। अब अधिकांश परियोजनाओं पर निर्माण कार्य आरंभ हो गए हैं। कंपनी व्यवसाय में इन चुनौतियों के प्रभाव को कम करने के लिए सभी संभव उपाय कर रही है। हालांकि, कंपनी की दीर्घकालिक दिशात्मक प्राथमिकताएं यथावत हैं, किन्तु कोविड-19 के दृष्टिगत और प्रचालनिक वातावरण पर इसके अपेक्षित प्रभाव के मद्देनजर, कंपनी की प्रमुख प्राथमिकताएं आपूर्ति श्रृंखला की गहन मॉनीटरिंग, नकदी का संरक्षण और निर्धारित लागतों को नियंत्रित करना होगा, साथ ही कुछ विकास क्षेत्रों में निवेश को जारी रखा जाएगा।

सरकारी प्राधिकारियों द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार कंपनी की कार्यप्रणाली को कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम और रोस्टर के अनुसार कार्य के साथ सुव्यवस्थित किया गया है। इसके अतिरिक्त, तीव्रता से कार्य करने के लिए अधिकारियों के बीच ई-ऑफिस को प्रोत्साहित किया जा रहा है, सोशन डिस्टेंसिंग के अनुपालन हेतु वीडियो कांफ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकारी दिशानिर्देशों के अनुरूप मानक प्रचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) निर्धारित की हैं।

आर्डर बुक

कंपनी ने वर्ष 2019-20 के दौरान 633.48 करोड़ रूपए मूल्य के कार्य प्राप्त किया हैं। दिनांक 31 मार्च 2020 को आर्डर बुक 30,713 करोड़ रुपए (लगभग) है जबकि दिनांक 31 मार्च 2019 को यह 33,901 करोड़ रूपए (लगभग) थी।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व एवं संधारणीयता

वित्तीय वर्ष 2020 के लिए सीएसआर बजट 9.88 करोड़ रुपये था, जो पिछले निरंतर तीन वित्तीय वर्षों में कंपनी द्वारा अपने भारतीय परियोजनाओं से प्राप्त औसत शुद्ध लाभ का 2% है। वित्तीय वर्ष 2020 के दौरान, इरकॉन ने अपनी सीएसआर उपायों पर 10.04 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, और 5.38 करोड रूपए के शेष बजट के प्रति प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और आपातकालीन राहत निधि" (पीएम केयर निधि) में 4.5 करोड रूपए की कुल निधि का दान दिया है। वर्ष 2019-20 की समाप्ति के पश्चात, इरकॉन ने पीएम केयर निधि में 15.50 करोड़ का अतिरिक्त अंशदान किया है।

सहायक कंपनियां और संयुक्त उद्यम कंपनियां

वर्तमान में इरकॉन में पांच सहायक कंपनियां (यथा इरकॉन इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेस लिमिटेड, इरकॉन पीबी टोलवे लिमिटेड, इरकॉन शिवपुरी गुना टोलवे लिमिटेड, इरकॉन देवानगेरे हवेरी हाइवे लिमिटेड तथा इरकॉन वडोदरा किम एक्सप्रेसवे) तथा भारत में सात संयुक्त उद्यम कंपनियां (जेवीसी) (यथा इरकॉन-सोमा टोलवे प्राइवेट लिमिटेड, इंडियन रेलवे स्टेशन्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, छत्तीसगढ ईस्ट रेलवे लिमिटेड, छत्तीसगढ ईस्ट वेस्ट रेलवे लिमिटेड, महानदी कोल रेलवे लिमिटेड, झारखंड सेंट्रल रेलवे लिमिटेड और बस्तर रेलवे प्राइवेट लिमिटेड) हैं।

समझौता ज्ञापन (एमओयू) रेटिंग और पुरस्कार

वर्ष 201-20 के लिए रेल मंत्रालय के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अंतर्गत कंपनी की रेटिंग "उत्कृष्ट" है।

कंपनी ने वर्ष 2019-20 के दौरान निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त किए हैं:

क्र.सं.	पुरस्कार प्राप्ति की तिथि	पुरस्कार का नाम	श्रेणी / परियोजना
1.	24.04.2019	7वां उद्योग हेतु फिक्की गुणवत्ता प्रणाली उत्कृष्टता पुरस्कार	गुणवत्ता पद्धतियों में अच्छी प्रणालियों के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र
2.	25.10.2019	16वां लागत प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए आईसीएमएआई राष्ट्रीय पुरस्कार	अवसंरचना और निर्माण सेवाएं (प्रथम स्थान)
3.	20.12.2019	ईटी नाव: स्टार ऑफ दि इंडस्ट्री पुरस्कार	प्रतिभा नेतृत्व पुरस्कार - मानव संसाधन में उत्कृष्टता हेतु
4.	06.01.2020	गोल्डन पीकॉक पुरस्कार	जोखिम प्रबंधन
5.	16.02.2020	ईटी नाव: वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस पुरस्कार	राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता ब्रांड
6.	19.02.2020	7वां पीएसयू गवर्नेंस नाव पुरस्कार	जियो-स्ट्रेटेजिक पहुंच संवर्धन
7.	04.03.2020	गोल्डन पीकॉक अवार्ड	कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व
8.	29.06.2019	एसकेओसीएच ऑर्डर ऑफ मेरिट	शिवपुरी-गुना राजमार्ग परियोजना
9.	29.06.2019 एसकेओसीएच	उत्कृष्टता पुरस्कार	स्वचालित एनटीसी मशीन के माध्यम से रेलपथ बिछाने की प्रक्रिया का मशीनीकरण
10.	29.06.2019	एसकेओसीएच ऑर्डर ऑफ मेरिट	क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण (एचआरएम)

इसके अतिरिक्त, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, इरकॉन को निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किए गए :

क्र.सं.	पुरस्कार प्राप्ति की तिथि	पुरस्कार का नाम	श्रेणी
1.	30.04.2019	इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज (आईईसी) पुरस्कार, श्रीलंका	उत्कृष्ट वैश्विक नेतृत्व
2.	20.12.2019	ईटी नाव: स्टार ऑफ दि इंडस्ट्री पुरस्कार	एचआर अभिविन्यास वाले सीईओ
3.	16.02.2020	ईटी नाव: वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस पुरस्कार	बिजनेस लीडर ऑफ दि ईयर
4.	19.02.2020	7वां पीएसयू गवर्नेंस नाव पुरस्कार	पीएसयू नेतृत्व

****